INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	Department: Hindi	Date – 18/01/23
LESSON- 12 कठपुतली	Topic: - Q. Bank	Note: Pls. Write in your Note Book

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1- मन के छंद छूने का अर्थ क्या है?

उत्तर- मन के छंद छूने का अर्थ है-अपनी मर्जी से काम करना।

प्रश्न 2- पहली कठपुतली की बात किसने सुनी?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात उसके साथ रहने वाली दूसरी कठपुतलियों ने सुनी।

प्रश्न 3- कठपुतली को धागे में क्यों बाँधा जाता है?

उत्तर- कठपुतली को धागे में इसलिए बाँधा जाता है ताकि उन्हें अपनी उँगलियों के सहारे नचाया जा सके।

प्रश्न 4- 'गुस्से से उबलना' मुहावरे का अर्थ क्या है?

उत्तर- 'गुस्से से उबलना' मुहावरे का अर्थ है बहुत क्रोधित होना।

प्रश्न 5- कठपुतली अपने धागे को क्या करना चाहती थी?

उत्तर – कठपुतली अपने धागे को तोड़ देना चाहती थी।

प्रश्न 6- कठपुतली कहाँ खड़ा होना चाहती थी?

उत्तर - कठपुतली अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती थी।

प्रश्न7- कठपुतली के मन में कौन-सी इच्छा जगी थी?

उत्तर – कठपुतली के मन में आज़ाद होने की इच्छा जगी थी।

प्रश्न-8 कठपुतलियाँ किसका प्रतीक हैं?

उत्तर- कठपुतलियाँ 'आम आदमी' का प्रतीक हैं ताकि वे अपनी मर्जी का जीवन जी सके।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1- कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

उत्तर- कठपुतली को गुस्सा आया क्योंकि उसे सदैव दूसरों के इशारों पर नाचना पड़ता था और वह हमेशा धागों से बँधी रहती थी। धागों में बँधना उसे पराधीनता लगती थी।

प्रश्न2- पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगीं?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को अच्छी लगी क्योंकि वे भी स्वतंत्र होना चाहती थीं और अपने मन के अनुसार चलना चाहती थीं। उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पसंद नहीं था|

प्रश्न3- कठपुतली कविता में मुख्य रूप से किस विचार को प्रकट किया गया है?

उत्तर- इस कविता में मुख्य रूप से स्वतंत्रता के विचार को प्रकट किया गया है। स्वतंत्रता सबके लिए आवश्यक है। पराधीन रहकर कोई सुखी नहीं रह सकता इसलिए पराधीनता में कोई नहीं जीना चाहता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1- कठपुतली अपने फैसले पर पुनः विचार क्यों करने लगीं?

उत्तर- पहली कठपुतली की बात सुनकर सभी दूसरी कठपुतलियाँ विद्रोह की बात करने लगीं। यह देखकर वह सोच में पड़ गई कि क्या उसका फैसला सही था।उसे डर लगा कि कहीं उसके स्वतंत्र होने की इच्छा उसकी सहेलियों को किसी मुसीबत में न डाल दे। वह जानती थी कि आज़ादी पाना कठिन तो है लेकिन उसे सँभाल पाना और भी कठिन है। इसलिए वह कठपुतली अपने फैसले पर पुनः विचार करने लगीं।

प्रश्न2- इस कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर- इस कविता के माध्यम से कवि ने आजादी के महत्त्व को समझाने का प्रयास किया है। इसके साथ ही कवि ने यह बताने का प्रयास किया है कि आज़ादी के साथ आने वाली जिम्मेदारियों का अहसास होना चाहिए। स्वतंत्र होना सभी को अच्छा लगता है लेकिन स्वतंत्रता का सही उपयोग कम ही लोग कर पाते हैं। अतः आज़ादी के बाद आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। इसके साथ ही आज़ादी को बनाए रखने के लिए हमेशा कोशिश करना पड़ता है।

लेखन कार्य– प्रश्न-1 दिए गए चित्र का वर्णन 40-50 शब्दों में कीजिए|

प्रश्न-2 **'गणतन्त्र दिवस' पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए|**

गणतंत्र दिवस (Republic Day)

हर साल 26 जनवरी को भारत अपना गणतंत्र दिवस मनाता है क्योंकि इसी दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। इसे हम सभी राष्ट्रीय पर्व के रुप में मनाते है और इस दिन को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया है। भारतीय संसद में भारत के संविधान के लागू होते ही 26 जनवरी 1950 को हमारा देश पूरी तरह से को लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। इस महान दिन पर भारतीय सेना द्वारा भव्य परेड किया जाता है जो विजय चौक से शुरु होकर इंडिया गेट पर खत्म होती है। इस दौरान तीनों भारतीय सेनाओं (थल, जल, और नभ) द्वारा राष्ट्रपति को सलामी दी जाती है और सेना द्वारा हथियारों और टैंकों का प्रदर्शन भी किया जाता है जो हमारे राष्ट्रीय शक्ति का प्रतीक है। आर्मी परेड के बाद देश के सभी राज्यों द्वारा झाँकियों के माध्यम से अपनी संस्कृति और परंपरा को दिखाया जाता है। इसके बाद, भारतीय वायु सेना द्वारा हमारे राष्ट्रीय झंडे के रंगों (केसरिया,सफ़ेद,हरा) की तरह आसमान से फूलों की बारिश की जाती है।

भारत में गणतंत्र दिवस का दिन राष्ट्रीय अवकाश के रुप में मनाया जाता है। इस उत्सव को लोग अपने-अपने तरीके से मनाते है, जैसे-समाचार देखकर, स्कूल में भाषण के द्वारा किसी प्रतियोगिता में भाग लेकर आदि। इस दिन स्कूल-कॉलेजों में भी विद्यार्थी परेड, खेल, नाटक, भाषण, नृत्य, गायन, निबंध लेखन, स्वतंत्रता सेनानियों के किरदार निभा कर आदि बहुत सारी क्रियाओं द्वारा इस उत्सव को मनाते है। इस दिन हर भारतीय को अपने देश को शांतिपूर्ण और विकसित बनाने के लिए प्रतिज्ञा करनी चाहिए|